परिचर्या के मूल सिद्धान्त

(Fundamentals of Nursing)

-I परिचर्या का परिचय (**Introduction of Nursing**):

परिचर्या का अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, सिद्धान्त एवं इतिहास (**Nursing: Meaning, Definition, Nature, Scope, Principle and History**), नर्स की परिभाषा, अर्थ, व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक गुण (**Definition, Meaning of Nurse and Personal-Professional Qualitiè**), परिचर्या में आचार संहिता (**Ethics in Nursing**) तथा परिचारक के कर्त्तव्य एवं दायित्व (**Duties and Responsibilities of a Nurse**)

स्वास्थ्य रक्षा अभिकरण (**Health Care Agencies**): चिकित्सालय एवं समुदाय (**Hospital and Community**), चिकित्सालय के कार्य एवं प्रकार (**Types of Hospital and their Functions**), परिचारक का रोगी के प्रति, उसके अभिभावक के प्रति, चिकित्सालय के अधिकारियों के प्रति तथा अपने सहकर्मियों के प्रति कार्यव्यवहार

-II रोगी परिचर्याः आतुर एवं स्वस्थ का परिचयः (**Introduction to the Sick and Well**), स्वस्थ स्थिति के आयाम (**Determinants of Health Status**), चिकित्सालय (बहिरंग एवं अन्तरंग) में रोगी के प्रवेश की प्रक्रिया का ज्ञान शैय्या के प्रकार एवं उपयोग, शैय्याओं को सुसज्जित करने की विधि, चिकित्सालय में भर्ती रोगी की समुचित देखभाल की प्रक्रिया एवं योजना निर्धारण का परिज्ञान, चिकित्सालय के रिकॉर्ड संधारण और रोगी के निर्गम (**Discharge**) की प्रक्रिया का परिज्ञान

-III रोगी की आवश्यकतानुसार परिचर्या, रोगी के मुख, त्वचा आदि शारीरिक अंगों की स्वच्छता, पोषण सम्बन्धी आवश्यकता का परिज्ञान, पीड़ा और वेदना के समय परिचर्या, रोगी के कार्यों में सहयोग प्रदान करना, शैय्याव्रण के कारण लक्षण, चिह्न, बचाव के उपाय तथा परिचर्या, रोगी को स्थानान्तरित करने के तरीके

-IV रोगी परीक्षण के सिद्धान्त एवं प्रक्रियाः दर्शन (**Inspection**), स्पर्शन (**palpation**), प्रश्न (**Introgation**), श्रवण (**auscultation**), ठेपण (**percussion**) करने की प्रक्रिया, रोगी की शारीरिक परीक्षा जैसेः ऊँचाई, भार, वाणी(**Speech**) की परीक्षा करने की विधि, रोगी के तापमान, नाड़ी, श्वसन गति, रक्तभार आदि की परीक्षा करने का ज्ञान, रोगी विवरण पत्रक भरने के नियम

-V चिकित्सा सम्बन्धी कार्य एवं परिचर्या, एनिमा देने की विधि, योनि प्रक्षालन, गुद परिषेक तथा अन्य उपचार विधियों में परिचर्या, बन्धन के विविध प्रकारों का ज्ञान, विसंक्रमण की विधियों का ज्ञान, प्रयोगशालीय परीक्षण हेतु नमूनों के संग्रहण करने की विधियों का ज्ञान, शीत-उष्ण प्लोत के प्रयोग का ज्ञान (**Cold . Hot sponging**)

-VI औषधालय में औषधियों के रखने की विधि, विषाक्त औषधियों को रखने के नियम तथा औषध देने की विधि (मुख-गुदा आदि द्वारा) का ज्ञान एवं चिकित्सालय के बहिरंग एवं अन्तरंग विभाग में होने वाले सभी कार्यों का परिज्ञान, चिकित्सालय में प्रयुक्त साधन सामग्री एवं उपकरणों के रख-रखाव तथा उनके विसंक्रमण (**Sterilization**) का ज्ञान।